















# जोधपुर विकास प्राधिकरण का 2188 करोड़ का बजट पारित

■ जागरूक टाइम्स संवाददाता



जोधपुर। जोधपुर-बाड़ेर रोड पर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के निकट स्थित नहर चौराहा पर आए दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलने की उमंदी जारी है, जोकि इस समस्या के निराकरण का बीड़ा उठाया जोधपुर विकास प्राधिकरण ने सोमाराव का जेडीए ने अपना 2188 करोड़ का बजट पारित करते हुए पाल शोड - नहर चौराहा पर 50 करोड़ रुपए की लागत से पल्टाऊवर निर्माण कार्य के लिए भी बजट तय किया है। इसके साथ ही नई योजनाएं भी लॉन्च करने का निर्णय इस बजट में लिया गया है। इनमें पाल शोड दल्ले खान की चौकी-सार्सी नार, पुलिस थाना चौराहा पर 40 करोड़ की लागत से अटल सेतु, 62 करोड़ रुपए से जोजरी नदी का जोड़ाइका तथा ज्ञालामंड में नवीन एस्ट्रीटी, जिवेक विहार में पीपीओ मोड़ पर 25 करोड़ की लागत से बस स्टैंड /टर्मिनल व ट्रांसपोर्ट हब, कायलाना झील पर मूर्जिकल फाउटेन व अन्य विकास कार्यों पर 15 करोड़ रुपए खर्च किए जाएं। संभागीय आयुक्त व जेडीए अध्यक्ष

डा. प्रतिभासिंह की अध्यक्षता में सोमाराव को जेडीए उत्साह चौधरी, सचिव भागीरथ विश्वास, कलेक्टर प्रतिनिधि, जेडीए उपायुक्तगण, निदेशकगण व अन्य विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

## आय का मुख्य स्रोत भूखंडों की विक्री से

2188 करोड़ के इस बजट में जेडीए की आय का मुख्य स्रोतों में भूमि की द्विको से 93,800 लाख रुपए, वर्कफूंट आवासीय योजनाओं से 550 लाख रुपए, भूमि लागत से जोड़ी राजमाली की पर्याप्त राजमाली से 36100 लाख रुपए, निवेदीयों एवं धरोहर से प्राप्तियों 4250 लाख रुपए तथा विभिन्न शुल्क, शरितियों व्याज, अग्रिम वसूली, किराया, ऋणों से, डिपोजिट कार्य से प्राप्तियों व अन्य प्राप्तियों आदि से 70390 लाख रुपए तथा अनुनाम रखा गया है। इसी तह प्रतिवर्ष वर्ष 2025-26 के दौरान कुल व्याप एवं उमंदी उद्यान से विकास कार्य हुए 100 लाख रुपए, राजमाली गेट से संजोनी गेट व्याप वादाशाही तकिया सङ्करण कार्य हुए 200 लाख रुपए, जोधपुर शहर क्षेत्र में स्वीटर्वर्परावर एवं हेरिटेज सरकारी संबंधी कार्य हुए 200 लाख रुपए, आफी की पीछे नगर वन कार्य हुए 200 लाख रुपए एवं उमंदी उद्यान से विकास कार्य हुए 100 लाख रुपए का भी बजट प्रावधान किया गया है। इसमें सामान्य प्रशासन के लिए 7872 लाख रुपए, विकास कार्यों के लिए 192568 लाख रुपए, राज्य सरकार के अंशदान 7550 लाख रुपए तथा अन्य व्ययों हुए 10810 लाख रुपए का प्रावधान रखा गया है।

## नवीन आवासीय-व्यवसायिक योजनाओं से भरा जाएगा खजाना

■ जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी ने बताया कि जोधपुर शहर के विकास एवं प्राधिकरण की आय के स्रोत बढ़ाने के क्रम में प्राधिकरण द्वारा विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित की जा रही है। इनमें आमारी विविध वर्ष में दातियाड़ा देवर हाउसिंग योजना, जालोली व्यावर आवासीय योजना, देवलिया आवासीय व अन्य व्यवसायिक योजना, ट्रांसपोर्ट नगर के समान अन्वासीय योजना, सरदार परेल आवासीय योजना और, केवल व्यावसायिक योजना, एवं ग्राम उज्जीवन में कार्म हाउस योजना प्रस्तावित है।

## जोधपुर : गलत इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत

### ► जुकाम का इलाज करवाने गई थी महिला

जोधपुर। जोधपुर के महात्मा गांधी हास्पिटल में एडमिट महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन और समाज के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल की मार्गी घोषणा की अपेक्षा एवं व्यवसायिक योजना का अनुमान 2188 करोड़ यांत्री 2018000 लाख रुपए तथा विकास कार्यों के लिए 192568 लाख रुपए, राज्य सरकार के अंशदान 7550 लाख रुपए तथा अन्य व्ययों हुए 10810 लाख रुपए का प्रावधान रखा गया है।

## जैसलमेर : दो आरोपियों ने किया चिंकारा का शिकार

### दोनों आरोपियों को कोर्ट ने इंगांड पर भेजा

जागरूक टाइम्स संवाददाता जैसलमेर। जैसलमेर के मोहनगढ़ इलाके के बन विभाग की रेंज 113 आरडी में वन विभाग ने चिंकारा के मामले में दो आरोपियों को निराकार किया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन सिंह ने बायाया के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में छुटी हुई है। वहां परिजनों की जांच में धूमी भी दी गई। वहां विकास कार्यों में धरने पर बैठने की सूचना मिलने के बाद सरदारपुरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले को लेकर जानकारी ले ली।

घायल चिंकारा के वन्यजीव पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से मोहनगढ़ रियर पशु हास्पिटल लाया गया। यहां से प्राथमिक इलाज के बाद जैसलमेर पशु हास्पिटल लाया गया। जहां देर रात में चिंकारा की मौत हो गई। हिरण शिकार मामले में क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन सिंह एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी पर्यावरण प्रेमियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। वहां विकास कार्यों में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। वहां विकास कार्यों में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। वहां विकास कार्यों में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियों ने सूचना दी कि दो व्यक्ति चक्र एक एस्ट्रीवाई पर चिंकारा का शिकार कर रहे हैं। इस पर तुरंत बनास्पति पर वनकर्मी महेश, वनरक्षक एवं सुपीली को मौके पर भेजा, जहां चिंकारा व्यापार में धरने पर बैठने की जांच में धूमी भी दी गई। इसके बाद जैसलमेर के लोग महात्मा गांधी हास्पिटल के दौरान उमरने पर बैठे हो गई। इलाज रहिला की मौत के बाद डाक्टर के खिलाफ परिजनों की ओर से व्यक्तियो







# दाजस्थान के गोरव 'बाबूलाल भंसाली'

## प्राणीमात्र की सेवा में समर्पित बाबूलाल भंसाली

आवाक - श्राविका भवन को  
52 करोड़ रुपए की धोषणा

हाडेचा के मूल निवासी बाबूलाल भंसाली वो शख्स हैं जो खुले हाथों से दान करते हैं। सूरत के दीक्षिणीय समारोह के दौरान अहमदाबाद के मादलुर-पालड़ी रित्यु श्रीशातिजिन जैनसेवा, मादलुर-पालड़ी में निर्माणाधीन श्रावक-श्राविका आराधना भवन के निर्माण की जिम्मेदारी हाडेचा निवासी बाबूलाल मिश्रीमल भंसाली परिवार ने निर्माया। इस भव्य आराधना भवन के निर्माण के लिए बाबूलाल भंसाली जीने 52 करोड़ रुपए का सहयोग किया है। इस श्रीशातिजिन जैनसेवा में 51 करोड़ की लागत से श्रावक-श्राविका आराधना भवन बनकर तैयार होगा जबकि भंसाली परिवार ने एक करोड़ आठ लाख की राशि रेखा कार्यों की दीक्षा निर्माया है। भंसाली परिवार ने भूमिकाओं का भव्य स्वागत किया था।